CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

डेयरी स्टार्टअप सिड फार्म ने 10 मिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की

सिड फ़ार्म, एक प्रत्यक्ष-से-उपभोक्ता डेयरी स्टार्टअप ने सीरीज ए में 10 मिलियन डॉलर जुटाए ओमनिवोर और नरोत्तम से फंडिंग सेखसरिया परिवार कार्यालय (एनएसएफओ) जून को 25. धन में वृद्धि होगी विनिर्माण क्षमताओं को पूरा करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली डेयरी की बढ़ती मांग हैदराबाद और बेंगलुरु में उत्पाद।

सिड फ़ार्म का लक्ष्य एक मजबूत टीम बनाना है शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करना और बनाए रखना। IMARC समूह के अनुसार, भारत की डेयरी उद्योग, जिसका मूल्य 6,792 अरब रुपये है 2023, 49,953 रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है 2032 तक अरब। सर्वाहारी भागीदार रेहेम रॉय ने विकास पर प्रकाश डाला प्रीमियम डेयरी ब्रांडों की संभावनाएँ D2C प्लेटफ़ॉर्म, सिड के फ़ार्म की भविष्यवाणी करता है एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरना।

एनएसएफओ के नारायणन वेंकित्रामन सिड फार्म की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की वास्तविक समाधान. संस्थापक डॉ. किशोर इंदुकुरी ने सेवा के लक्ष्य पर जोर दिया प्रतिदिन 1,00,000 से अधिक परिवार हैदराबाद और बेंगलुरु. स्थापित 2016 में, सिड का फार्म 25,000 से अधिक लोगों को सेवा प्रदान करता है ग्राहक, पोषक तत्व-सघनता सुनिश्चित करते हुए, प्रत्यक्ष किसान के माध्यम से योजक मुक्त दूध सोर्सिंग और कठोर गुणवत्ता परीक्षण।

विशेषज्ञ नवाचार और डेयरी क्षेत्र के लिए नई मार्केटिंग विकास

पहले आईडीएफ एशिया प्रशांत क्षेत्रीय में डेयरी सम्मेलन, विशेषज्ञों ने जोर दिया नवीन प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता और डेयरी के लिए बाजार के अवसर क्षेत्र की सतत वृद्धि. मिलन मंत्री राजीव रंजन सिंह ने प्रकाश डाला वैश्विक दुग्ध उत्पादन में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका और इसका प्रभाव 100 मिलियन परिवारों पर पड़ेगा और 1.4 अरब लोगों का पोषण सुरक्षा।

केरल की मंत्री जे चिंचू रानी ने बुलाया एक वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन प्रणाली किसानों की आय बढ़ाएँ और समाधान करें केरल में दूध उत्पादन की चुनौतियाँ, जो उच्च श्रम लागत का सामना करता है और कमी.

अलका उपाध्याय, सचिव पशुपालन विभाग एवं डेयरी, प्रौद्योगिकी में निवेश का आग्रह किया और जलवायु से निपटने के लिए बुनियादी ढाँचा जोखिम और पशुधन स्वास्थ्य में सुधार। वह के महत्व पर बल दिया टिकाऊ कृषि पद्धतियाँ और नवीन चारा प्रबंधन.

आईडीएफ के अध्यक्ष पियरक्रिस्टियानो ब्रेज़ाले के मॉडल के तौर पर भारत के डेयरी सेक्टर की तारीफ की सार्वजनिक-निजी सहयोग, इसे ध्यान में रखते हुए तीव्र विकास और महिलाओं की भूमिका किसान.

डेयरी उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विश्व दुग्ध दिवस मनाया गया

इंडियन डेयरी एसोसिएशन (आईडीए) उत्तरी क्षेत्र (पंजाब चैप्टर) और डेयरी और खाद्य विज्ञान महाविद्यालय गुरु अंगद देव में प्रौद्योगिकी पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय ने विश्व दुग्ध दिवस मनाया थीम 'लाभों का अनावरण' के साथ किण्वित डेयरी उत्पादों की.

कार्यक्रम में स्वास्थ्य पर प्रकाश डाला गया किण्वित डेयरी उत्पादों के लाभ जैसे दही, लस्सी और पनीर. कुलपति डॉ. इंद्रजीत सिंह डेयरी के पोषण मूल्य पर जोर दिया, जबकि डीन डॉ. आरएस सेठी ने जोर दिया पाचन के लिए प्रोबायोटिक लाभ, प्रतिरक्षा, और समग्र कल्याण। ऊपर डेयरी सहित 250 प्रतिभागी उद्योग पेशेवर, संकाय, छात्रों और किसानों ने भाग लिया। डॉ. रमित महाजन जैसे विशेषज्ञ आंत के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा की प्रतिरक्षा और मानसिक कल्याण, और डॉ. किरण बैंस ने किण्वित पर प्रकाश डाला आंत माइक्रोबायोम पर डेयरी का प्रभाव।

डॉ. जीएस राजोरहिया ने जानकारी प्रदान की में किण्वित डेयरी उत्पादों का विस्तार बाजार। इस आयोजन का उद्देश्य उत्थान करना था के लाभों के बारे में जन जागरूकता किण्वित डेयरी खाद्य पदार्थ.

महाराष्ट्र बजट 2024-25: 5 रुपये प्रति लीटर दूध सब्सिडी का विस्तार और नई पहल की घोषणा की

वित्त मंत्री अजित पवार ने 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी का ऐलान किया की प्रस्तुति के दौरान महाराष्ट्र में दूध उत्पादकों के लिए सब्सिडी 2024-25 राज्य का बजट। विधानसभा के समक्ष यह अंतिम बजट है इसमें बीजेपी-शिवसेना-एनसीपी सरकार के लिए चुनाव भी शामिल हैं 18 नये मेडिकल कॉलेजों की स्थापना।

पवार ने कहा कि 2.93 लाख पंजीकृत दूध को 223.83 करोड़ रुपये की सब्सिडी पहले ही वितरित की जा चुकी है उत्पादकों को शेष धनराशि तुरंत वितरित की जानी चाहिए। भेड़ और मुर्गी पालन को बढ़ावा देने वाली नई पहल खेती और मछली बाजारों का विकास भी शुरू किया गया।
'गांव दशमांश गोदाम' कार्यक्रम कृषि उपज के लिए भंडारण सुविधाएं तैयार करेगा, जिसकी शुरुआत 100 नई से होगी गोदामों और मौजूदा गोदामों का नवीनीकरण। 17 शहरों में 10,000 महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी 80 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ "पिंक ई-रिक्शा" योजना के तहत ई-रिक्शा खरीदना।

इसके अतिरिक्त, 92.43 लाख किसान परिवारों को नमो शेतकारी सन्मान निधि के तहत 5,318.47 करोड़ रुपये मिले। योजना, और एक रुपये की फसल बीमा के तहत 59.57 लाख किसानों को 3,504.66 करोड़ रुपये वितरित किए गए योजना। बुलढाणा और रायगढ़ जिलों में नए आयुर्वेद और यूनानी मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे वाले.

कोच्चि स्थित कंपनी ने डेयरी क्षेत्र में देश का पहला ऑफ-ग्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया

कोच्चि स्थित डेयरी उत्पाद कंपनी सैपिंस ने इतिहास रच दिया है डेयरी में देश का पहला ऑफ-ग्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना क्षेत्र। 200 किलोवाट का प्लांट, जिसकी लागत ₹2.8 करोड़ है, पूरी तरह से पूरा करेगा किज़क्कमबलम में सैपिंस की उन्नत सुविधा की ऊर्जा आवश्यकताएं, जो प्रतिदिन 50,000 लीटर दूध संसाधित करता है, प्रबंधन करने वाले गिगी थॉमस ने घोषणा की सैपिन्स डेयरी के निदेशक, मंगलवार को।

श्री थॉमस ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नवोन्मेषी सौर संयंत्र में एक एकीकृत ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली (आईईएमएस) है। और एक 100-किलोवाट इंडक्शन हीट एक्सचेंजर। यह परियोजना पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, इसमें लगभग सभी प्रकार के डीजल को समाप्त कर दिया गया है उपयोग और स्थिर, निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना।

ज़ोलाडाइन एनर्जी सॉल्यूशंस के निदेशक अजित एम.एस., जिन्होंने स्थापना की निगरानी की, ने कहा कि संयंत्र में शामिल हैं कम धूप की अवधि के दौरान विभिन्न स्रोतों से बैटरी चार्ज करने के विकल्प।

विपणन निदेशक सुनील कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि यह संयंत्र सैपिंस के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर दर्शाता है एक एकीकृत डेयरी उत्पाद कंपनी के लिए दूध प्रसंस्करण फर्म। सौर ऊर्जा पर यह निर्भरता न केवल वर्तमान परिचालन का समर्थन करती है बल्कि भविष्य के उत्पाद के लिए भी मार्ग प्रशस्त करती है उन्होंने कहा, परिचय और क्षमता विस्तार। यह उपलब्धि टिकाऊपन के प्रति सैपिंस की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है विकास और पर्यावरण प्रबंधन।

आईआईटी कानपुर ने उन्नत मास्टिटिस जांच तकनीक को शीघ्र उपकरणों में स्थानांतरित किया

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (IITK) ने एक शुरुआत की है पशु स्वास्थ्य में अग्रणी तकनीक, जिसका शीर्षक 'लेटरल फ्लो इम्यूनोएसे' है गोवंश में मास्टिटिस का पता लगाने के लिए पट्टी और विधि। प्रोफेसर द्वारा विकसित आईआईटी कानपुर के एनसीफ्लेक्सई से सिद्धार्थ पांडा और डॉ. सत्येन्द्र कुमार, इस तकनीक का लक्ष्य डेयरी मवेशियों में मास्टिटिस का पता लगाने में क्रांतिकारी बदलाव लाना है।

व्यापक रूप से अपनाने की सुविधा के लिए, आईआईटी कानपुर ने एक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं (एमओयू) प्रॉम्प्ट इक्विपमेंट्स के साथ, एक डेयरी प्रौद्योगिकी फर्म जो 70,000 से अधिक गांवों में काम कर रही है। समारोह था इसमें दोनों संस्थानों के प्रमुख लोगों ने भाग लिया।

डेयरी उद्योग में आर्थिक नुकसान का एक प्रमुख कारण मास्टिटिस, इस नवीन तकनीक द्वारा लक्षित है जो पता लगाता है स्टैफिलोकोकस ऑरियस और इसके एंटरोटॉक्सिन एक दोहरे सोने के नैनोकण-आधारित पार्श्व प्रवाह इम्यूनोसे (एलएफआईए) का उपयोग करते हुए। यह बढ़ी हुई संवेदनशीलता, विशिष्टता और त्वरित परिणाम प्रदान करता है।

इस सहयोग का उद्देश्य डेयरी क्षेत्र में पशु कल्याण और आर्थिक स्थिरता को बढ़ाना है। द टेक्नोलॉजी भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा भारतीय पेटेंट संख्या 455232 प्रदान किया गया है।

मदर डेयरी ने मुंबई के बाजार में विविध लोगों के लिए शुद्ध भैंस का दूध पेश किया उपभोक्ता आवश्यकताएँ

मदर डेयरी ने अपने शुद्ध भैंस के दूध के संस्करण को लॉन्च करने की घोषणा की है मुंबई क्षेत्र के उपभोक्ता। यह 1 लीटर और 500 मिलीलीटर के पैक में उपलब्ध होगा मंगलवार 25 जून से 72 रुपये प्रति लीटर की दर. कंपनी ने कहा, "नई वैरिएंट का लक्ष्य दूध के अनुरूप तैयार किए गए वैरिएंट की उभरती मांग को पूरा करना है विशिष्ट आवश्यकताएँ।

मदर डेयरी भैंस का दूध A2 के साथ-साथ उच्च FAT और SNF सामग्री के साथ मलाईदार और स्वाद से भरपूर होने का वादा करता है प्रोटीन।" "यह 6.5% वसा सामग्री और 9% एसएनएफ (सॉलिड नॉट फैट) प्रदान करता है, जो इसे एक मलाईदार बनावट और समृद्ध स्वाद प्रोफ़ाइल देता है। व्यापक रूप से अपनाने की सुविधा के लिए, आईआईटी कानपुर ने एक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं (एमओयू) प्रॉम्प्ट इक्विपमेंट्स के साथ, एक डेयरी प्रौद्योगिकी फर्म जो 70,000 से अधिक गांवों में काम कर रही है। समारोह था इसमें दोनों संस्थानों के प्रमुख लोगों ने भाग लिया। नियमित उपभोग के लिए एक बढ़िया विकल्प होने के अलावा, इसकी मलाईदारता इसे स्वादिष्ट बनाने के लिए एकदम सही बनाती है डेसर्ट।" उत्पाद चरणबद्ध तरीके से सभी ऑफ़लाइन और ऑनलाइन चैनलों पर उपलब्ध होगा।

मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने कहा, "हम उपभोक्ता केंद्रितता के लोकाचार से प्रेरित हैं... नया उत्पाद सादे पेय या बहुमुखी प्रतिभा सहित विशिष्ट उपयोग आवश्यकताओं को पूरा करता है विशिष्ट प्रजाति के दूध की आवश्यकताएं, या यहां तक कि उन लोगों के लिए भी जो खुले दूध से पैकेज्ड दूध में परिवर्तन करना चाह रहे हैं। हमें विश्वास है कि यह जल्द ही घर-घर का पसंदीदा बन जाएगा।" मुंबई में, मदर डेयरी एक पोर्टफोलियो पेश करती है दूध के पांच प्रकार, जिनमें डेयरी उत्पादों के अलावा गाय का दूध, फुल क्रीम दूध, टोंड दूध और डबल टोंड दूध शामिल हैं जैसे आइसक्रीम, दही, डेयरी पेय पदार्थ और पनीर। डेयरी उद्योग में आर्थिक नुकसान का एक प्रमुख कारण मास्टिटिस, इस नवीन तकनीक द्वारा लक्षित है जो पता लगाता है स्टैफिलोकोकस ऑरियस और इसके एंटरोटॉक्सिन एक दोहरे सोने के नैनोकण-आधारित पार्श्व प्रवाह इम्यूनोसे (एलएफआईए) का उपयोग करते हुए। यह बढ़ी हुई संवेदनशीलता, विशिष्टता और त्वरित परिणाम प्रदान करता है।

इस सहयोग का उद्देश्य डेयरी क्षेत्र में पशु कल्याण और आर्थिक स्थिरता को बढ़ाना है। द टेक्नोलॉजी भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा भारतीय पेटेंट संख्या 455232 प्रदान किया गया है। शुद्ध भैंस के दूध का लॉन्च उच्च गुणवत्ता वाले डेयरी विकल्प प्रदान करने के मदर डेयरी के मिशन में एक और कदम है विविध उपभोक्ता आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए।

असम में सीईडीएसआई द्वारा पशु पोषण और संतुलित आहार पर कार्यशाला

केंद्र ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) और **एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई)** **असम सरकार के डेयरी विकास निदेशालय** के साथ साझेदारी में एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है **पशु पोषण और संतुलित आहार** पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस पहल का उद्देश्य ज्ञान और कौशल को बढ़ाना है असम में डेयरी किसानों और पेशेवरों की स्थायी डेयरी खेती प्रथाओं को बढ़ावा देना। कार्यशाला इसमें डेयरी पशुओं के लिए संतुलित आहार का महत्व, कुशल चारा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया जाएगा प्रबंधन, और पशु पोषण में नवीनतम प्रगति। इन क्षेत्रों में विशेषज्ञता को बढ़ावा देकर, इस आयोजन का उद्देश्य क्षेत्र में दूध उत्पादन, पशु स्वास्थ्य और समग्र डेयरी क्षेत्र के विकास में सुधार करना है।

सीईडीएसआई- ज्ञान अनुभाग

सतत कृषि में डेयरी की भूमिका

परिचय

जैसे-जैसे वैश्विक जनसंख्या बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे डेयरी उत्पादों की मांग भी बढ़ती जा रही है। हालाँकि, डेयरी उद्योग को पर्यावरणीय स्थिरता के साथ उत्पादकता को संतुलित करने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह ब्लॉग बताता है कि कौशल विकास और प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए डेयरी फार्मिंग को टिकाऊ कृषि प्रथाओं में कैसे एकीकृत किया जा सकता है।

सतत डेयरी फार्मिंग: अवलोकन

सतत डेयरी फार्मिंग का लक्ष्य भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान डेयरी मांगों को पूरा करना है। इसमें संसाधनों और कृषि प्रक्रियाओं को पर्यावरण के अनुकूल, आर्थिक रूप से व्यवहार्य और सामाजिक रूप से जिम्मेदार तरीके से प्रबंधित करना शामिल है।

सतत डेयरी फार्मिंग के प्रमुख घटक

सतत डेयरी फार्मिंग में कई प्रमुख घटक शामिल हैं

संसाधन क्षमता

पानी, ऊर्जा और चारे का कुशल उपयोग डेयरी फार्मों के पर्यावरणीय प्रभाव को काफी कम कर सकता है। सटीक खेती जैसी तकनीकें न्यूनतम अपशिष्ट सुनिश्चित करते हुए संसाधनों को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद कर सकती हैं।

पशु कल्याण

अच्छी पशु कल्याण प्रथाएँ न केवल नैतिक हैं बल्कि उत्पादकता और गुणवत्ता के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। स्वस्थ पशु अधिक दूध का उत्पादन करते हैं और प्रति यूनिट उत्पादित दूध का पर्यावरणीय प्रभाव कम होता है।

जैव विविधता

डेयरी फार्मों पर जैव विविधता को बनाए रखना या बढ़ाना पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में योगदान कर सकता है, जो अधिक लचीली कृषि प्रणालियों का समर्थन करता है।

प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाना

डेयरी फार्मिंग को वास्तव में टिकाऊ बनाने के लिए, किसानों को टिकाऊ प्रथाओं को लागू करने और बनाए रखने के लिए कौशल और ज्ञान से लैस होना चाहिए। प्रभावी प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हो सकते हैं

- **संसाधन प्रबंधन कार्यशालाएँ:** किसानों को पानी, ऊर्जा और चारे के कुशल उपयोग की तकनीकों पर शिक्षित करना।
- **पशु स्वास्थ्य और कल्याण सेमिनार:** उत्पादकता में सुधार और पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए पशु चिकित्सा देखभाल, पोषण और कल्याण मानकों में प्रशिक्षण।
- **संरक्षण प्रथाएँ:** खेत पर जैव विविधता को बढ़ाने के लिए शिक्षण विधियाँ, जैसे कि खेती के कार्यों के साथ-साथ वन्यजीवों के आवास को बनाए रखना।

डेयरी स्थिरता में नवीनतम डेटा और प्रौद्योगिकी

डेयरी स्थिरता को अनुकूलित करने के लिए नवीनतम डेटा और प्रौद्योगिकी का उपयोग महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, संसाधन उपयोग और पशु स्वास्थ्य की निगरानी के लिए IoT उपकरणों के उपयोग से अधिक सटीक और कुशल कृषि प्रबंधन हो सकता है। इसके अलावा, आनुवंशिक प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति उत्पादकता और जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन बढ़ाने के लिए पशु प्रजनन प्रथाओं में सुधार कर सकती है।

निष्कर्ष

टिकाऊ कृषि में डेयरी की भूमिका बहुआयामी और आवश्यक है। कौशल विकास और निरंतर प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करके, डेयरी उद्योग यह सुनिश्चित कर सकता है कि किसान टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं जिससे पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और समाज को बड़े पैमाने पर लाभ होगा। शिक्षा के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाना न केवल उनकी क्षमता बढ़ाने के बारे में है, बल्कि डेयरी क्षेत्र को टिकाऊ कृषि पद्धतियों में अग्रणी बनाने के बारे में भी है।

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई**) के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

+91 7428706078

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives | NGO's/CSR Foundations | Dairy Farmers | Students | Professional

www.cedsi.in @cedsi_india

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी